तोकापाल के गांवों में घर-घर जाकर दी जानकारी, यूनिसेफ के मार्गदर्शन में एनएसएस की पहल

बच्चों की सुरक्षा को लेकर ग्रामीणों को किया गया जागरूक

नवभारत रिपोर्टर। जगदलपुर।

सुरक्षित पारा सुरक्षित लइकामन 3.0 ग्राम संपर्क अभियान के अंतर्गत विभिन्न गांवों में जागरूकता कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है। इसके अंतर्गत शुक्रवार को विकासखंड तोकापाल के विभिन्न गांवों में जनसंपर्क व जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यूनिसेफ एवं राष्ट्रीय सेवा योजना, छत्तीसगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में स्वयंसेवकों ने घर-घर जाकर प्रत्यक्ष संवाद, प्रश्न-उत्तर, नुक्कड़ नाट्य व पोस्टर प्रदर्शनी के माध्यम से स्वास्थ्य, स्वच्छता, मातृ-शिशु सुरक्षा एवं बाल संरक्षण के बारे में सूचना व परामर्श देकर ग्रामीणों को जागरूक किया।

स्वयंसेवकों ने बाल सुरक्षा संदेशों को सरल भाषा व रचनात्मक तरीकों से ग्रामीणों तक पहुंचाने का प्रयास किया। ग्रामीणों ने संदशों को अपनाने के लिए सकारात्मक सहमति भी जताए। इससे पहले गुरूवार को यूनिसेफ, छत्तीसगढ़ के प्रभारी चंदन कुमार एवं वैभवी ने तोकापाल, डिमरापाल व केशलूर व बड़े मारेंगा गांव पहुँचकर जनसंपर्क गतिविधियों का निरीक्षण किया। स्वयंसेवकों के कार्यों की सराहना करते हुए बच्चों की सुरक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, शिक्षा एवं पोषण संबंधी विभिन्न जानकारी स्थानीय समुदाय को प्रदान की। यह अभियान एनएसएस के संभागीय समन्वयक डॉ. सजीवन कुमार व जिला संगठक मौसमी विश्वास के मार्गदर्शन में किया गया। आयोजन में शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्याल के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. भुनेश्वर लाल साहू, दंतेश्वरी महिला महाविद्यालय की पिंरसी दुग्गा, संजय कुमार, देवेंद्र कुमार दुर्गे की सक्रिय भागीदारी रही। स्वयंसेवकों में भुवनेश्वर, सपना, सुमित्रा, सरिता, अंकिता, तनिशा, तेजूराम सहित कई छात्रा-छात्राओं ने इस ग्राम संपर्क अभियान में हिस्सा लिया।

ग्रामीणों को बाल सुरक्षा तंत्र से जोड़ने की पहल

इस अभयान के तहत विशेष रूप से बच्चों की सुरक्षा, बाल अधिकार, किशोर स्वास्थ्य, डिजिटल सुरक्षा व बाल संरक्षण तंत्र के बारे में ग्रामीणों को बताया गया। ज्ञात हो कि सुरक्षित पारा-सुरक्षित लइकामन अभियान का उद्देश्य बच्चों व किशोरों की सुरक्षा, संरक्षण, उनके स्वास्थ्य, स्वच्छता, पोशण के प्रति ग्रामीणों में जागरूकता लाना है, साथ ही ग्रामीण समुदाय में बाल अधिकारों के प्रति समझ विकसित करना व उन्हें बाल सुरक्षा तंत्र से जोड़ने का प्रयास करना है।

नवंबर 2025 माह में प्रिंट मीडिया के कवरेज के कतरन.......

बस्तर विवि में मनाया गया छत्तीसगढ़ी राजभाषा दिवस

विद्यार्थियों ने छत्तीसगढ़ी भाषा में दी साहित्यिक व सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

जगदलपुर, 28 नवंबर (देशबन्धु)। शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के कला एवं मानविकी संकाय की ओर से शुक्रवार को छत्तीसगढ़ी राजभाषा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न विभाग के प्राध्यापकों के वैचारिक उद्बोधन के अलावा विद्यार्थियों ने छत्तीसगढ़ी भाषा में कई साहित्यिक व सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। सर्वप्रथम विभागाध्यक्ष प्रो. एमएस मिश्रा ने छत्तीसगढ़ भाषा की महत्ता एवं छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति के महत्व पर अपने विचार रखे। अंग्रेजी अध्ययनशाला के सह प्राध्यापक डॉ. समीर ठाकुर ने कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति एक जीवंत एवं प्रभावपूर्ण संस्कृति है। यहाँ अनेक बोलियों एवं भाषाओं का संगम दिखाई देता है। इस कारण छत्तीसगढ़ की संस्कृति एक सामासिक संस्कृति का प्रतिरूप बन गया है। राजनीति विज्ञान अध्ययनशाला के डॉ. सियालाल नाग ने कहा की छत्तीसगढ़ी राजभाषा समूचे प्रांत को जोड़कर रखती है। यह हम सबके लिए गर्व की बात है। सहायक प्राध्यापक पुर्णेंद मिर्धा ने कहा कि भाषा हमारी संस्कृति की पहचान है। आज भाषाओं के माध्यम से लड़ने का नहीं बल्कि जुडने का समय है। भाषा मनुष्य और मनुष्य के बीच में समन्वय पैदा करता है। हिंदी अध्ययनशाला के डॉ. रवींद्र यादव ने कहा कि छत्तीसगढ़ी भाषा पूर्वी हिंदी की अत्यंत महत्वपूर्ण बोली है। पूर्वी हिंदी के अंतर्गत मुख्य रूप से अवधी, बघेली और छत्तीसगढ़ी बोलियाँ आती हैं और इसका सीमा विस्तार काफी विस्तृत है। समाजशास्त्र के देवेन्द्र यादव ने कहा कि अब भाषाओं को माध्यम से हमें जुडने की आवश्यकता है क्योंकि मनुष्य और मनुष्य के बीच में संबंध जितना मजबूत होगा राष्ट्र उतना ही मजबूत होगा। कार्यक्रम के समन्वयक अर्थशास्त्र अध्ययनशाला के प्रेमजीत निराला ने कहा कि आज के समय में व्यापमं और सीजी पीएससी के परीक्षाओं में छत्तीसगढ़ी भाषा के ज्ञान को महत्व दिया जा रहा है। श्री निराला ने सुवा, ददरिया, भोजली, करमा, पंथी, चौका, गम्मत, रास, नगमत, चदैनी, बांस गीत, फाग, विवाह, भरथरी, पंडवानी, डंडा गीतों का गायन कर छत्तीसगढ़ी भाषा की विशेषताओं से लोगों को अवगत कराया।

इस अवसर पर अर्थशास्त्र की पूजा ठाकुर ने काव्य पाठ और छत्तीसगढ़ी गीत की प्रस्तुति दीं। विद्यार्थियों में प्रियंका, आसमती एवं साथियों के द्वारा सामूहिक नृत्य व भूपेंद्र कुमार मरकाम द्वारा छत्तीसगढ़ी लोक गीत को प्रस्तुत किया गया। छाया, रत्नवती, कुंतला, वैष्णवी आदि छात्राओं द्वारा छत्तीसगढ़ी भाषा में काव्य पाठ किया और निखिल ने भाषण प्रस्तुत किया। आयोजन में डॉ. अनीता कुर्रे, डॉ. रेखा नागवंशी, डॉ राकेश खरवार, डॉ. मनीषा देवी, गौरी देवांगन, टिंकल सिन्हा, सुश्री रिया की उपस्थिति रही। संचालन सलीम नेताम ने किया।

दैनिक भास्कर

बस्तर भास्कर 27-11-2025

यूनिवर्सिटी में छात्रों को तनाव कम करने के व्यावहारिक तरीके सिखाए

भास्कर न्यूज़ | जगदलपुर

बस्तर विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ स्टडीज इन कंप्यूटर एप्लिकेशन की ओर से मंगलवार को परीक्षा में तनाव कैसे कम करें विषय पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। अगले माह होने वाली सेमेस्टर परीक्षाओं को ध्यान में रखकर आयोजित इस सेंसेटाइजेशन प्रोग्राम का उद्देश्य छात्रों को मानसिक रूप से मजबूत बनाना और परीक्षा-काल में होने वाले तनाव से उबरने के उपाय बताना था।

कार्यक्रम में बतौर रिसोर्स पर्सन अंग्रेजी अध्ययन शाला प्रमुख प्रो. मणिशंकर मिश्रा ने छात्रों को परीक्षा तनाव के कारणों, उससे छात्रों के प्रदर्शन पर पड़ने वाले प्रभाव और इससे उबरने की प्रभावी रणनीतियों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आज की प्रतिस्पर्धा के दौर में विद्यार्थियों को मानसिक रूप से दृढ़ रहना सबसे जरूरी है। प्रो. मिश्रा ने छात्रों को सलाह दी कि परीक्षा को बोझ या डर की तरह नहीं, बल्कि एक सकारात्मक चुनौती के रूप में देखें। सफलता और अच्छे अंकों के लिए योजनाबद्ध अध्ययन, सतत अभ्यास और सही समय-प्रबंधन को सबसे महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने उत्तर लेखन की रणनीतियों, परीक्षा के दौरान ध्यान केंद्रित रखने के व्यावहारिक तरीकों और तनाव नियंत्रण से जुड़े वैज्ञानिक तरीकों पर भी चर्चा की।

PRESERVE HUMAN VALUES
बस्तर विश्वविद्यालय • BASTAR VISHWAVIDYALAYA
उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्यवरान् निबोधत

6:12 36%
epaper.patrika.com/

विश्वविद्यालय में संविधान का महत्व युवाओं को बताया

जगदलपुर @ पत्रिका . शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में संविधान दिवस पर कुलपति मनोज कुमार श्रीवास्तव ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना का वाचन कराया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ राजेश

जग

व

को

ज़

सं

सा

अं

जन

व्यक्तिगत जीवन और समाज में स्वच्छता अत्यंत आवश्यक : कुलपति प्रो. श्रीवास्तव

जगदलपुर, 22 नवंबर (देशबन्धु)। शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में शनिवार को एनएसएस इकाई और यूनिसेफ के संयुक्त तत्वावधान में सुरक्षित पारा सुरक्षित लइकामन 3.0 विषय पर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. एमके श्रीवास्तव, राज्य एनएसएस अधिकारी डॉ. नीता बाजपेयी, यूनिसेफ प्रशिक्षण के राज्य समन्वयक अभिषेक त्रिपाठी, कुलसचिव डॉ राजेश लालवानी, कार्यक्रम समन्वयक डॉ सजीवन कुमार की उपस्थिति में संभाग के एनएसएस जिला संगठक एवं कार्यक्रम अधिकारी को बाल अधिकार संरक्षण एवं राष्ट्रीय सेवा योजना की वार्षिक गतिविधियों के सफल संचालन की विस्तृत जानकारी दी गई। कुलपति प्रो. श्रीवास्तव ने कहा कि व्यक्तिगत जीवन और समाज में स्वच्छता अत्यंत आवश्यक है। प्लास्टिक रिसाइक्लिंग पर ध्यान दिया जाना बहुत जरूरी है। प्लास्टिक से पूरा इकोसिस्टम बिगड़ रहा है। स्वच्छता और पर्यावरण को लेकर व्यक्तिगत स्तर पर शुरू किया गया प्रयास भी बेहतर होगा। टेक्निकल सेशन में यूनिसेफ के प्रशिक्षक अभिषेक त्रिपाठी ने स्वच्छता, पौष्टिक आहार, लैंगिक हिंसा, मानसिक स्वास्थ्य एवं सामाजिक व्यवहार परिवर्तन विषय के व्यवहारिक व निदानात्मक पक्षों के बारे में बताया। श्री त्रिपाठी ने कहा कि बचपन से ही पौष्टिक आहार पर ध्यान दिया जाना चाहिए। श्री त्रिपाठी ने बताया कि एक व्यक्ति दैनिक जीवन में प्रतिदिन करीब 35 हजार निर्णय लेता हैं। इसके लिए मानसिक रूप से स्वस्थ होना भी जरूरी है।

डॉ. नीता बाजपेयी ने एनएसएस के वार्षिक कार्यक्रमों के आयोजन और सफल तैयारी की जानकारी देते हुए कहा कि सभी एनएसएस इकाईयों को माई भारत पोर्टल से जरूर जुड़ना चाहिए। एनएसएस के तहत किए गए अच्छे कार्यों का अब राष्ट्रीय स्तर पर अपेक्षित स्वागत सम्मान किया जाता है। डॉ बाजपेयी ने कहा कि एनएसएस केवल एक सेवा नहीं बल्कि सीखने और बदलाव का अवसर है। एक स्वच्छ, स्वस्थ और सशक्त समाज के लिए सुरक्षित पारा और सुरक्षित लइकामन के संकल्प को पूरा किया जाना आवश्यक है। कुलसचिव डॉ. राजेश लालवानी ने कहा कि सभी में राष्ट्रनिर्माण के प्रति जिम्मेदारी का भाव युवावस्था में ही आ जाना चाहिए। युवावस्था का परिवर्तन जीवन में स्थायी रहता है। विवि एनएसएस समन्वयक डॉ. सजीवन कुमार ने कहा कि अब एनएसएस के कार्यक्रम परंपरागत रूप से न होकर रचनात्मक तरीके से किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि ये देश भर में देखे और समझे जाएं। कार्यशाला का संचालन विवि कार्यक्रम अधिकारी डॉ. भुनेश्वर लाल साहू ने किया। इस मौके पर जिला संगठन डॉक्टर मौसमी विश्वास जिला बस्तर, डॉ अर्चना झा दंतेवाड़ा, डॉ शशि भूषण कन्नौजे कोंडागांव, जिला संगठक भागीरथी नायक, वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी लक्ष्मण शुक्ला, रूपा यादव, प्रिंसी दुर्गा सहित करीब 60 जिला संगठक एवं कार्यक्रम अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वावलंबी भारत अभियान ने विद्यार्थियों को दिए रोजगार के अवसर

'युवा शक्ति' नवाचार और स्वावलंबन से राष्ट्रनिर्माण में निभाएगी अहम भूमिका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जगदलपुर

शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के प्लेसमेंट सेल द्वारा सामाजिक कार्य अध्ययनशाला के विद्यार्थियों के लिए बुधवार को कैंपस प्लेसमेंट आयोजित किया गया।

- शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में कैंपस प्लेसमेंट आयोजित

इस भर्ती अभियान का संचालन स्वावलंबी भारत अभियान, छत्तीसगढ़ द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ. राम राकेश जंगीर, शंकर त्रिपाठी एवं योग कार्यक्रम के दौरान कुलपति प्रो मनोज कुमार श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि भारतीय युवा शक्ति देश की सबसे महत्वपूर्ण संपत्ति है। उन्होंने कहा कि नवाचार, कौशल और स्वावलंबन के माध्यम से युवा आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने स्वावलंबी भारत अभियान जैसी प्रतिष्ठित संस्था द्वारा विश्वविद्यालय में रोजगार अवसर उपलब्ध कराने को विद्यार्थियों के लिए अत्यंत प्रेरणादायी बताया। डॉ. राम राकेश जंगीर ने कहा कि स्वावलंबी भारत का सपना केवल सरकार का नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का संकल्प होना चाहिए। संस्था युवाओं को प्रशिक्षण, अवसर और मार्गदर्शन प्रदान कर उन्हें सक्षम बना रही है। उन्होंने विद्यार्थियों से समाज की कमजोर एवं वंचित आबादी की सेवा में अपने कौशल और संवेदनशीलता को उपयोग करने की प्रेरणा दी।

राष्ट्र निर्माण में दें योगदान

स्वावलंबी भारत अभियान युवाओं को प्रशिक्षण, अवसर और मार्गदर्शन देकर उन्हें स्वयं के पैरों पर खड़ा करने की दिशा में कार्यरत है। संस्था का उद्देश्य है कि युवा चुनौतियों को स्वीकार कर समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान में भूमिका निभाएं तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान दें।

प्लेसमेंट प्रक्रिया साक्षात्कार के माध्यम से संपन्न हुई, जिसमें एमएसडब्ल्यू अंतिम वर्ष तथा पास-आउट विद्यार्थियों सहित लगभग 35 अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया। संस्था की ओर से सात विभिन्न पदों के लिए इंटरव्यू आयोजित किए गए। प्लेसमेंट सेल के समन्वयक डॉ स्वपन कुमार कोले ने स्वावलंबी भारत अभियान टीम के प्रति आभार व्यक्त करते ▶▶ शेष पेज 10 पर

भ्रमण : बस्तर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

भौतिक भूगोल को समझने के लिए विवि का दल पहुंचा टोपर जलप्रपात

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जगदलपुर . शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के भूगोल अध्ययनशाला द्वारा रविवार को क्षेत्र भ्रमण का एकदिवसीय अध्ययन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके अंतर्गत स्नातक प्रथम सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं को भौतिक भूगोल विषय के अंतर्गत बस्तर के प्रमुख पर्यटन स्थलों में एक उदिर नदी पर निर्मित टोपर जलप्रपात का भौगोलिक अध्ययन कराया गया।

यह स्थल जगदलपुर से 30 किमी दक्षिण पूर्व में स्थित है। विद्यार्थियों ने इस दौरान टोपर जलप्रपात के प्राकृतिक भौगोलिक विशेषताओं का प्रत्यक्ष अवलोकन एवं वैज्ञानिक अध्ययन किया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने जलप्रपात क्षेत्र में पाई जाने वाली अवसादी शैलों की संरचना तथा जल प्रवाह द्वारा होने वाले कटाव की प्रक्रियाओं का गहन निरीक्षण के साथ रासायनिक, भौतिक और जैविक अपक्षय का प्रत्यक्ष अध्ययन किया।

उदिर नदी पर बने जलप्रपात को देखने के लिए पहुंचे विवि के छात्र।

अध्ययन दल ने स्थल पर होने वाली अपघर्षण, संघर्षण और अन्य भू-आकृतिक प्रक्रियाओं को भी समझा। यह भ्रमण कार्यक्रम विद्यार्थियों को प्राकृतिक भू-आकृतियों, पर्यटन भूगोल एवं भौतिक भूगोल के व्यावहारिक ज्ञान से समृद्ध करने में उपयोगी रहा। अध्ययनशाला प्रमुख प्रो. मणिशंकर मिश्रा के मार्गदर्शन व डॉ. राकेश कुमार खरवार के निर्देशन में आयोजित भ्रमण में अंकित, जॉयसन, इजरायल, जितेंद्र, कृष्णा कश्यप, कृष्णा कुशवाहा, मड़कमी, वीरेंद्र, मान्यता, दामिनी, चारूलता, यशोदा, प्रियंका, रितु, रेशमा, गीता एवं सुमन शामिल थे।

फ्रेशर प्रोग्राम में आईडल फ्रेशर चुने गए प्रभाकर और शबनम

जगदलपुर, 17 नवंबर (देशबन्धु)। शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के वनस्पति अध्ययशाला में शनिवार को एमएससी नवप्रवेशी स्टूडेंट्स के लिए फ्रेशर प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इस दौरान एमएससी प्रथम और तृतीय सेमेस्टर विद्यार्थियों ने कई रोचक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर स्वागत प्रोग्राम को एन्जॉय किया।

इसमें प्रभाकर मेघ मिस्टर फ्रेशर और शबनम साहू मिस फ्रेशर चुने गए। कार्यक्रम का संचालन मनतशा और नंदिता ने किया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. अभिषेक अवस्थी, डॉ. कुश कुमार नायक सहायक अध्यापक बायोटेक्नोलॉजी एवं वनस्पति विज्ञान के फैकल्टी डॉ. सोहन लाल, डॉ. कुसुम लता, डॉ. शत्रुघन पटेल, आशीष प्रधान उपस्थित रहे।

8:36

epaper.patrika.com/...

नगरनार

जनजातीय परंपरा हमेशा से साहस और त्याग का प्रतीक रही है, इसे स्मरण रखें

4:17

...er.navabharat.news

my city नवभार...

शामक विवि में मनाई गयी बिरसा मुण्डा जयंती

जगदलपुर। बिरसा मुण्डा की 150वीं जयंती के अवसर पर शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में एक दिवसीय विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता यज्ञ सिंह विभाग प्रचारक मध्य बस्तर तथा डॉ. पियूष रंजन साहू, क्षेत्रीय मानव सर्वेक्षण भारत सरकार उपस्थित रहे। अध्यक्षता विवि के कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने की। कुलपति ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से युवाओं के बीच आदिवासी महापुरुषों के प्रति जागरूकता बढ़ी है। मुख्य वक्ता श्री सिंह ने कहा कि बिरसा मुण्डा को धरती आबा के नाम से जाना जाता है। वही सच में जीते हैं जो दूसरों के लिए जीते हैं। बिरसा मुण्डा जैसे महापुरुषों के त्याग और संघर्ष के कारण ही हम आज उन्हें स्मरण करते हैं।

mycity न्यूज कैप्सूल

सरकार आदिवासि...

महापुरुषों के आदर्श आज भी प्रासंगिक: डॉ. चंद्राकर

छग के महापुरुषों को किया याद

जगदलपुर @ पत्रिका. शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान अध्ययनशाला द्वारा छत्तीसगढ़ के महापुरुष व्यक्तित्व एवं कृतित्व विषय पर एक दिवसीय विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कुलपति प्रोफेसर मनोज कुमार श्रीवास्तव एवं कुलसचिव डॉ. राजेश लालवानी के मार्ग निर्देशन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत छत्तीसगढ़ी राज्य गीत अरपा पैरी के धार के साथ किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. सुभाष चंद्राकर, सहायक प्राध्यापक, राजनीति विज्ञान विभाग, दुर्गा महाविद्यालय रायपुर एवं अध्ययन मंडल के सदस्य शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय बस्तर रहे। डॉ. सुभाष चंद्राकर ने अपने उद्बोधन में कहा कि

आयोजन में पहुंचे अतिथि।

छत्तीसगढ़ की पावन भूमि सदैव महान विभूतियों की जन्मस्थली रही है। उन्होंने वीर नारायण सिंह, पंडित सुंदरलाल शर्मा, ठाकुर प्यारेलाल सिंह, डॉ. खूबचंद बघेल और प्रवीणचंद्र भांजदेव एवं गुंडादूर जैसे महान व्यक्तित्वों के योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि इन महापुरुषों ने सामाजिक न्याय और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया।

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर विवि में कार्यक्रम आ

मौलाना अबुल कलाम के जीव पर विद्यार्थियों ने रखे विचार

जगदलपुर @ पत्रिका . भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद के जन्मदिन पर मनाए जाने वाले राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर मंगलवार को शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के प्राणिशास्त्र विभाग द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पीएम ऊषा मेरू कंपोनेंट एवं आईआईसी एक्टिविटी के तहत हुए इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम विभिन्न संकायों के छात्र-छात्राओ ने राष्ट्रीय शिक्षा दिवस एवं मौलाना अबुल कलाम आजाद के जीवन पर अपने-अपने विचार प्रस्तुत किए। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ अभिषेक अवस्थी ने विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा व्यवस्था में आर्टिफिशिल इंटेलिजेंस के उपयोग की विस्तृत जानकारी दी। डॉ अवस्थी ने बताया कि विभिन्न संकायों के प्रायोगिक परीक्षा में एआई का प्रभावी उपयोग किया जा सकता है। इसमें अधिगम व्यवस्था को सरल करने में भी सहायता मिलेगी। डॉ. सुरेंद्र कुमार द्विवेदी ने आभार ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर डॉ सुषमा सिंह, कीर्ति सिंह, डॉ सोहनलाल, डॉ शत्रुघ्न, आशीष प्रधान, संजय पाण्डेय, डॉ कृष्ण कुमार वर्मा, डॉ विकास बैष्णव एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

आयोजनः शमक विवि में प्राध्यापकों के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम

विवि के प्राध्यापकों ने जाना- शिक्षा के साथ संस्कार देना कितना जरूरी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

विवि में ओरिएंटेशन प्रोग्राम के लिए जुटे प्राध्यापकगण।

जगदलपुर . शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में बुधवार को समस्त प्राध्यापकों के लिए एनईपी 2020 को लेकर उन्मुखीकरण का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कुलपति प्रो. एमके श्रीवास्तव की अध्यक्षता में हुए इस कार्यक्रम में राज्य उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त संचालक डॉ. जीए घनश्याम मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। अपने संबोधन में डॉ घनश्याम ने कहा कि इस मेरू विवि की साख को बनाए रखने का उत्तरदायित्व आप सभी प्राध्यापकों पर है। विवि का कीर्ति पताका आपके हाथ में है। समाज की आपसे अपेक्षा पर आप सभी खरे उतरने का प्रयास करें। विवि में विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ बेहतर संस्कार देना जरूरी है। डॉ. घनश्याम ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में विद्यार्थियों की नैसर्गिक बुद्धिमता को सस्टेन रखना भी प्राध्यापकों का दायित्व है।

उन्होंने कहा कि आज विद्यार्थियों में आर्ट ऑफ स्पीकिंग की बहुत कमी दिखती है। वे जरूरी हिंदी, अंग्रेजी और कोई स्थानीय भाषा बेहतर तरीके से नहीं बोल पा रहे हैं। एनईपी में स्थानीय भाषा पर जोर दिया गया है। विवि में विद्यार्थियों को उनके मातृ बोलियों को बोलने को प्रेरित किया जाना चाहिए। विभिन्न परिवेश से आने वाले विद्यार्थियों की मनोवैज्ञानिक विकास पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। डॉ. घनश्याम ने कहा कि उच्च शिक्षा में डिग्री हासिल करने वाले विद्यार्थियों में उनकी उपाधि को सुशोभित करने वाली योग्यता होना जरूरी है। इसलिए विवि में विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास पर ध्यान देना जरूरी है ताकि वे समुदाय के साथ तादात्म्य भी बिठा सकें। इसके लिए प्राध्यापकों को अध्यापन, अध्ययन के साथ मूल्यांकन को भी प्रभावी बनाने को लेकर प्रयास करना चाहिए।

हम स्टूडेंट्स के अधिक से अधिक क्रिएटिव असाइनमेंट प्रस्तुत करने को प्रेरित करें। डॉ. घनश्याम ने कहा कि एनईपी के मुताबिक भारतीय ज्ञान परंपरा को अपने विषय में समाहित करने का प्रयास किया जाना जरूरी है। डॉ. घनश्याम ने बताया कि शमक विवि में शार्ट टर्म कोर्स खोलने को लेकर भी प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम के अंत में कुलसचिव डॉ राजेश लालवानी धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

मौलाना अबुल कलाम के जीवन पर विद्यार्थियों ने रखे विचार

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर विवि में कार्यक्रम

जगदलपुर, 12 नवंबर (देशबन्धु)। भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद के जन्मदिन पर मनाए जाने वाले राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर मंगलवार को शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के प्राणिशास्त्र विभाग द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पीएम ऊषा मेरू कंपोनेंट एवं आईआईसी एक्टिविटी के तहत हुए इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम विभिन्न संकायों के छात्र-छात्राओं ने राष्ट्रीय शिक्षा दिवस एवं मौलाना अबुल कलाम आजाद के जीवन पर अपने-अपने विचार प्रस्तुत किए। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ अभिषेक अवस्थी ने विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा व्यवस्था में आर्टिफिशिल इंटेलिजेंस के उपयोग की विस्तृत जानकारी दी। डॉ अवस्थी ने बताया कि विभिन्न संकायों के प्रायोगिक परीक्षा में एआई का प्रभावी उपयोग किया जा सकता है। इसमें अधिगम व्यवस्था को सरल करने में भी सहायता मिलेगी। डॉ. सुरेंद्र कुमार द्विवेदी ने आभार ज्ञापन प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर डॉ सुषमा सिंह, कीर्ति सिंह, डॉ सोहनलाल, डॉ शत्रुघ्न, आशीष प्रधान, संजय पाण्डेय, डॉ कृष्ण कुमार वर्मा, डॉ विकास बैष्णव एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

स्वच्छता हमारे चरित्र की भी पहचान : प्रो कोले

मानव विज्ञान व जनजातीय अध्ययनशाला द्वारा साफ-सफाई कार्यक्रम आयोजित

नवभारत रिपोर्टर। जगदलपुर।

समाज में स्वच्छता के प्रति निरंतर जागरूकता लाने के प्रयास के तहत सोमवार को शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के अकादमिक भवन में साफ-सफाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पीएचडी शोधार्थी के अतिरिक्त एमए व एमएससी, बीए, बीएससी के प्रथम व तृतीय सेमेस्टर के करीब 38 विद्यार्थियों ने अकादमिक भवन के रूम, गैलरी इत्यादि में साफ-सफाई और गमलों में नए पौधे लगाये।

कार्यक्रम केदौरान मानव विज्ञान एवं जनजातीय अध्ययनशाला के इस कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष प्रो. स्वपन कोले ने कहा कि स्वच्छता न केवल हमारे शरीर का बल्कि हमारे चरित्र व समाज की पहचान है। यदि देश का हर नागरिक अपने आस-पास के परिवेश को साफ रखने का संकल्प ले तो भारत विश्व का सबसे स्वच्छ देश बन सकता है। अतिथि व्याख्याताओं में डॉ शारदा देवांगन, डॉ लखनलाल विश्वकर्मा, डॉ प्रकाश और प्रयोगशाला तकनीशियन शोभाराम नाग ने भी विद्यार्थियों को स्वच्छता के प्रति प्रेरित करते हुए नए पौधे लगाने, कचरे के लिए डस्टबिन का प्रयोग करने व कम से कम प्लास्टिक उपयोग करने की अपील की। कहा कि हम सभी को अपने घर के साथ-साथ गली, मोहल्ले, स्कूल इत्यादि को भी साफ सुथरा रखने में सहयोग करना चाहिए।

स्वास्थ्य के लिए भी स्वच्छता जरूरी : डॉ सुकृता

इस अवसर पर विवि की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ सुकृता तिर्की ने कहा कि स्वच्छता से स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है। बीमारियों के संक्रमण से बचाव होता है। स्वच्छ वातावरण से मानसिक शांति भी मिलती है। हमें अपने घर सहित कार्यक्षेत्र में स्वच्छता का ध्यान रखना चाहिए, सभी इसका ध्यान रखेंगे स्वयमेव अपना परिवेश, क्षेत्र व देश स्वच्छ रहेगा।

6:41 80%
epaper.patrika.com/

जगदलपुर. राष्ट्रऋषि कहे जाने वाले प्रखर विचारक दत्तोपंत ठेंगड़ी की जयंती के उपलक्ष्य में स्वदेशी जागरण मंच, बस्तर विभाग द्वारा बस्तर चेंबर भवन में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दत्तोपंत जी के जीवन-दर्शन, संगठन कौशल, स्वदेशी और आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। वक्ताओं ने बताया कि ठेंगड़ी जी ने अपने जीवन में समाज के मजदूर, किसान, युवा, बुद्धिजीवी, व्यापारी सहित सभी वर्गों में राष्ट्रीय चेतना एवं सामाजिक समरसता को दृढ़ता से स्थापित करने का कार्य किया। भारतीय मजदूर संघ, भारतीय किसान संघ, स्वदेशी जागरण मंच के सामाजिक और राष्ट्रीय महत्व पर

जगदलपुर. चेंबर भवन में कार्यक्रम के लिए जुटे पदाधिकारी।

प्रेरक आयोजन: शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में नेशनल एंटरप्रेन्योरशिप डे पर विशेष व्याख्यान

यूनिवर्सिटी के युवाओं ने स्टार्टअप इकोसिस्टम तैयार करने का मंत्र जाना

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जगदलपुर. नेशनल एंटरप्रेन्योरशिप डे के अवसर पर शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर के व्यावसायिक प्रबंधन अध्ययनशाला द्वारा हाउ टू क्रिएट स्टार्टअप इकोसिस्टम इन द कैंपस विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफेसर मनोज वर्गीस, निदेशक, प्रबंधन एवं वाणिज्य अध्ययनशाला, स्किल इंटरनेशनल स्किल यूनिवर्सिटी, भिलाई उपस्थित रहे। प्रोफेसर वर्गीस ने कहा कि किसी भी स्टार्टअप के असफल होने का प्रमुख कारण उसका विचार नहीं, बल्कि उस विचार को सही रूप में लागू न कर पाना है। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे अपने उत्पाद या विचार से अत्यधिक भावनात्मक लगाव न रखें, बल्कि उसे समाज की जरूरतों के अनुसार परिवर्तित करने में लचीलापन दिखाएँ। प्रो. वर्गीज ने कहा कि शिक्षकों की भूमिका केवल ज्ञान प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में ऐसे कौशल विकसित करना है जो उन्हें आत्मनिर्भर बनाएं और स्वयं का रोजगार सृजन करने में सक्षम बनाएं। उन्होंने कहा कि शिक्षक ऐसे युवाओं का निर्माण करें जो सिर्फ डिग्रीधारी नहीं, बल्कि रोजगार सृजन करने वाले बनें। उन्होंने कहा आईडिया तो सभी के पास होते हैं, परंतु सफलता उन्हीं को मिलती है जो उन्हें कार्यरूप में लाते हैं। समाज की समस्या को पहचानना और उसके समाधान के लिए प्रयास करना ही वास्तविक उद्यमिता है। कार्यक्रम के अंत में व्यावसायिक प्रबंधन अध्ययनशाला की विभागाध्यक्ष डॉ. रश्मि देवांगन ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

जगदलपुर. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. श्रीवास्तव व मौजूद अन्य।

स्टार्टअप इकोसिस्टम में भारत तीसरे नंबर पर: कुलपति

कुलपति प्रोफेसर मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि आज भारत विश्व में स्टार्टअप इकोसिस्टम के क्षेत्र में तीसरे स्थान पर है, और यह हमारी युवा शक्ति की क्षमता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि जब युवा अपनी रचनात्मकता और नवाचार को आर्थिक विकास से जोड़ेंगे तभी समृद्ध भारत का निर्माण संभव होगा। कुलपति महोदय ने विद्यार्थियों को आश्वासन दिया कि विश्वविद्यालय का इन्क्यूबेशन सेंटर उनके हर नवाचारपूर्ण विचार को आगे बढ़ाने में पूर्ण सहयोग प्रदान करेगा। आईईसी के अध्यक्ष डॉ. सजीवन कुमार ने कहा कि बिजनेस केवल आय का साधन नहीं, बल्कि नवाचार के माध्यम से नए विचारों को समाज के सामने प्रस्तुत करने का अवसर है।

14 दिसंबर को होगा युवा-युवती परिचय सम्मेलन

कलार समाज जिला युवा प्रकोष्ठ की बैठक संपन्न

गम्हरी @ पत्रिका. कलार समाज बस्तर संभाग कोंडागांव के जिला इकाई अंतर्गत जिला युवा प्रकोष्ठ की बैठक रविवार को संभागीय कार्यालय कलार भवन, जुगानी कलार में संपन्न हुई। बैठक में जिले के सभी छह ब्लॉकों के युवा प्रकोष्ठ

आज से शुरू होगा विकासखंड स्तरीय बस्तर ओलंपिक

सुकमा@ पत्रिका. बस्तर की खेल संस्कृति और पारंपरिक विरासत को सहेजने वाले 'बस्तर ओलंपिक' का अगला चरण 11 नवंबर से शुरू होने जा रहा है। सुकमा जिले के तीनों विकासखंड सुकमा, छिंदगढ़ और

शमक विवि में देखा गया वंदे मातरम का प्रसारण

जगदलपुर। शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय गीत "वंदे मातरम्" के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में एक विशेष स्मरणोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया, जिसका लाइव प्रसारण दूरदर्शन के माध्यम से प्रातः 10 बजे से 11 बजे तक किया गया। माँ भारती को समर्पित यह कार्यक्रम राष्ट्रभक्ति, आध्यात्मिकता और भारतीय संस्कृति की अमर गाथा का प्रतीक रहा। विश्वविद्यालय में इस कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना एनएसएस इकाई के तत्वावधान में स्वामी सत्यरूपानंद सभागार में किया गया, जहाँ विद्यार्थियों और शिक्षकों ने एक साथ कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. राजेश लालवानी, डॉ. शरद नेमा, डॉ. स्वपन कुमार कोले, डॉ. विनोद कुमार सोनी, एवं एनएसएस समन्वयक डॉ. सजीवन कुमार उपस्थित रहे। उनके साथ विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के प्राध्यापकगण, एनएसएस स्वयंसेवक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ भी सम्मिलित हुए।

संगोष्ठी : शमक विवि में जनजातीय गौरव दिवस पर कार्यशाला आयोजित, सांसद और अन्य वक्ताओं ने रखी अपनी बात

नक्सल मुक्त बस्तर में अब जनजातीय वर्ग तक उच्च शिक्षा पहुंचाएंगे

सांसद बोले- सामाजिक योद्धाओं के जीवन का करें अनुसरण

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जगदलपुर. जनजातीय गौरव दिवस हर साल की तरह इस साल भी 15 नवंबर को मनाया जाएगा। इससे पहले बस्तर में जनजातीय वर्ग की शिक्षा पर काम कर रहे शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। गुरुवार को विवि में आयोजित कार्यशाला में बस्तर सांसद महेश कश्यप समेत अन्य प्रबुद्ध वक्ता शामिल हुए। स्वागत उद्बोधन में विवि के कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने बड़ी बात कहते हुए कहा कि बस्तर में नक्सलवाद खात्मे की ओर है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि एक ध्येय तय करके जनजातीय वर्ग को उच्च शिक्षित बनाने पर काम किया जाए। प्रो. श्रीवास्तव ने कहा कि शहीद वीर नारायण सिंह, भगवान बिरसा मुंडा, टंट्या भील, सिदो-कान्हो, रानी दुर्गावती जैसे जनजातीय समाज के अनगिनत वीर-वीरांगनाओं ने इतिहास में अदम्य साहस का परिचय देकर भारत मां की रक्षा के लिए पूरा जीवन न्योछावर कर दिया। अपने स्वाभिमान एवं अस्मिता की रक्षा के लिए समाज के वीरों ने जो अप्रतिम साहस दिखाया वह प्रेरणीय है। प्रो. श्रीवास्वत ने कहा कि जनजातीय समाज में मानव-मानव के प्रति आदर समानता का भाव है। उन्होंने कहा कि अब बस्तर नक्सलवाद जैसे प्रमुख समस्या से मुक्त हो रहा है। हम सभी अकादमिक लोगों को इस समाज के प्रति संवेदनशील होकर कार्य करने आगे आना चाहिए। इस अवसर पर जनजातीय गौरव माह 2025 के अंतर्गत 10 नवंबर से 10 दिसंबर के बीच विवि से सम्बद्ध महाविद्यालयों में होने वाले जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई।

जगदलपुर. बस्तर सांसद को स्मृति चिन्ह प्रदान करते कुलपति व कुलसचिव।

षडयंत्रपूर्वक रावण जैसे चरित्र को समाज से जोड़ा जा रहा

सांसद महेश कश्यप ने कहा कि हमारे पूर्वज जनजातीय वीरों ने मुगलों और अंग्रेजों से लड़कर हमें बचाया है। हमें उनके चरित्र को अपने जीवन में उतारना चाहिए। कश्यप ने देव-दानव के कर्म का जिक्र करते हुए बताया कि भारतीय धार्मिक पुस्तकों में जनजातीय समाज की प्रेरणीय भूमिका के कई वर्णन उपलब्ध हैं। आज षडयंत्रपूर्वक समाज को रावण और महिसासुर से जोड़ा जा रहा है। कश्यप ने कहा कि हमें अपनी संस्कृति को बचाने का निरंतर प्रयास करना है। परंपराएं, विरासत व संस्कृति ही हम सभी जनजातीय समाज को सदियों से जोड़कर रखा है।

अरण्यक संस्कृति ही भारत की मूल संस्कृति

मुख्य वक्ता और वनवासी विकास समिति के प्रांत संगठन मंत्री रामनाथ कश्यप ने कहा कि अरण्यक संस्कृति ही भारत की मूल संस्कृति है। जो बाद में ग्राम संस्कृति कहलाई। रामायण, महाभारत, महराणा प्रताप का उदाहरण देते हुए श्री रामनाथ ने कहा कि यह समाज पूजा के माध्यम से मुख्य रूप से प्रकृति के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का कार्य करता है। इस समाज का सामाजिक और न्याय व्यवस्था बहुत प्रभावी और आसान है। घोटुल सामाजिक व्यवस्था की पाठशाला के रूप में था जिसमें युवा सामाजिक संस्कार सीखते थे।

छात्र- छात्राओं ने दिखाई सृजनशीलता शोध व अभिव्यक्ति की उत्कृष्ट झलक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र अध्ययन शाला द्वारा एक प्रेरणादायक पोस्टर प्रेजेंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने देश और प्रदेश के समसामयिक आर्थिक मुद्दों को अपनी रचनात्मक दृष्टि से प्रस्तुत किया। इस आयोजन में युवा मस्तिष्कों ने न केवल ज्ञान का प्रदर्शन किया बल्कि अर्थशास्त्र की गूढ़ अवधारणाओं को सृजनात्मक रूप में समाज के सामने रखा। कार्यक्रम के दौरान विभागाध्यक्ष प्रो. एम. एस. मिश्रा ने सभी पोस्टरों का अवलोकन किया और प्रत्येक समूह से संवाद कर उनकी विषयगत समझ की सराहना की। उन्होंने कहा अर्थशास्त्र केवल आंकड़ों और सिद्धांतों का विषय नहीं है, बल्कि यह समाज, नीति और विकास से गहराई से जुड़ा हुआ शास्त्र है। ऐसे रचनात्मक प्रयास विद्यार्थियों की सोच को व्यापक बनाते हैं और उन्हें व्यवहारिक समझ प्रदान करते हैं।

प्रमुख विषयों पर किया प्रभावशाली प्रदर्शन

पोस्टर प्रस्तुति में विद्यार्थियों ने भारत की आर्थिक विकास दर, छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था, पर्यावरण एवं सतत विकास, कृषि क्षेत्र की चुनौतियां, मानव संसाधन विकास, मुद्रास्फीति और बेरोजगारी जैसे प्रमुख विषयों पर प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में अर्थशास्त्र विभाग के फैकल्टी प्रेमजीत निराला ने संचालन किया,जबकि पूजा ठाकुर, गौरी देवांगन, डॉआरके खरवार और डॉ अनिता कुर्रे की उपस्थिति ने कार्यक्रम को और गरिमा प्रदान की। एमए प्रथम और ▶▶| शेष पेज 10 पर

उपस्थिति : नवा रायपुर में लगे स्टॉल में विवि के कुलपति भी आम लोगों से हुए रूबरू

विवि की उपलब्धियों को देख रहा पूरा प्रदेश, राज्योत्सव में सराहे गए

पत्रिका
पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जगदलपुर. राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में नवा रायपुर में आयोजित छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2025 में शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय को भी अपना प्रदर्शनी स्टॉल लगाने का अवसर मिला है। उच्च शिक्षा विभाग के डोम में प्रदेश के विभिन्न शासकीय व अशासकीय विश्वविद्यालयों के लगे प्रदर्शनी में शमक विवि की गुणवत्ता को अभिव्यक्त करने वाली एकेडमिक प्रदर्शनी को जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों व दर्शकों से प्रशंसनीय सराहना मिल रही है। रविवार को कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने भी विवि के स्टॉल का अवलोकन किया। अवलोकन के दौरान प्रो श्रीवास्तव ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के साथ राज्य के एकमात्र मेरु दर्जा प्राप्त अपने विश्वविद्यालय की विशेषताओं से लोगों को अवगत कराया। मेरु विश्वविद्यालय के तहत बस्तर विश्वविद्यालय में एक साथ एक ही जगह पर बहुविषयी शिक्षा और रिसर्च सेंटर को बढ़ावा मिलने की जानकारी से लोग प्रभावित भी हो रहे हैं। प्रो. श्रीवास्तव ने बताया कि जनजातीय क्षेत्र में उच्च गुणवत्तायुक्त शिक्षा व्यवस्था से केवल बस्तर संभाग ही नहीं बल्कि समूचे छत्तीसगढ़ को लाभ मिलेगा। उन्होंने विश्वविद्यालय में स्थापित आईआईसी और आई.एसएफ के उद्देश्यों को भी बताया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय टीम के समन्वयक डॉ. समीर ठाकुर, डॉ. भुवनेश्वर लाल साहू, डॉ. रवींद्र कुमार यादव, डॉ. कृष्ण कुमार वर्मा, डॉ. लखन लाल विश्वकर्मा, देवेन्द्र यादव उपस्थित थे।

जगदलपुर. राजधानी रायपुर में हुए राज्योत्सव में पहुंचे विवि प्रतिनिधि।

उच्च शिक्षा को और मजबूत बनाने पर विमर्श

कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने उच्च शिक्षा द्वारा लगाए गए राज्य से सभी विश्वविद्यालय से आए प्रतिनिधियों से भेंट मुलाकात की और उच्च शिक्षा के क्षेत्र को और भी मजबूत बनाने पर चर्चा की। कुलपति महोदय ने पुलिस विभाग द्वारा लगाई गई भारतीय न्याय संहिता की प्रदर्शनी का अवलोकन किया और माननीय आईजी, डीआईजी एवं डीएसपी, सी.आई.डी. अधिकारी से मिलकर नए कानून व्यवस्था की बारीकियों पर विचार साझा किया। भारतीय न्याय संहिता के बारे में विश्वविद्यालय के छात्रों एवं अध्यापकों को विस्तृत जानकारी साझा करने और व्याख्यान के संबंध में चर्चा की।

चित्रधारा पहुंचे विश्व विद्यालय के विद्यार्थी, भौगोलिक अध्ययन के तहत किया प्रायोगिक अवलोकन

एचओडी मिश्रा ने किया इनका मार्गदर्शन

नवभारत रिपोर्टर। जगदलपुर।

शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के बी.ए. तृतीय सेमेस्टर भूगोल के विद्यार्थियों ने शनिवार को फील्ड स्टडी के तहत चित्रधारा जलप्रपात सहित विभिन्न स्थानीय प्राकृतिक स्थलों का प्रायोगिक अवलोकन किया। विभागाध्यक्ष प्रो मणिशंकर मिश्रा के निर्देशानुसार इस भ्रमण दल का नेतृत्व डॉ. राकेश कुमार खरवार ने किया। डॉ. खरवार ने बताया कि इस फील्ड विजिट का मुख्य उद्देश्य प्राकृतिक स्थलाकृतियों, विशेषकर नदी अपरदन से निर्मित जलप्रपातों का प्रत्यक्ष अध्ययन करना था।

भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने चित्रधारा जलप्रपात के साथ-साथ कोयर नाला और बहार नाला पर बने जलप्रपातों का भी अवलोकन किया। इन स्थलों पर विद्यार्थियों ने देखा कि जल के तीव्र प्रवाह से चट्टानों का अपरदन होकर विभिन्न भू-आकृतिक संरचनाएँ बनती हैं। विद्यार्थियों ने यह भी अध्ययन किया कि इन जलप्रपातों के निर्माण में नदी प्रवाह, ढाल, चट्टानों की कठोरता तथा जल की मात्रा का महत्वपूर्ण योगदान होता है। इस फील्ड अध्ययन ने विद्यार्थियों को भूगोल पाठ्यक्रम के सैद्धांतिक अवधारणाओं को व्यवहारिक रूप में समझने का अवसर प्रदान किया तथा उन्हें प्राकृतिक प्रक्रियाओं और मानव जीवन के पारस्परिक संबंध को गहराई से समझने का मौका मिला।

सिंचाई व्यवस्था को लेकर भी किया अध्ययन

विद्यार्थियों ने इन नालों के जल का स्थानीय सिंचाई व्यवस्था में उपयोग और इसके आर्थिक महत्व को भी समझा। ज्ञात हो कि जगदलपुर-चित्रकोट रोड में शहर से मात्र 17 किलोमीटर दूर चित्रधारा जलप्रपात पिकनिक और पर्यटन स्थल के रूप में युवाओं को आकर्षित कर रहा है। वीकेंड एवं बारिश के दिनों में बड़ी संख्या में लोग यहां के प्राकृतिक दृश्य को देखने पहुंच रहे हैं।

स्थानीय ग्राम पंचायत द्वारा इस प्राकृतिक स्थल पर जरूरी सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। भ्रमण दल में फैकल्टी गौरी देवांगन, प्रेमजीत निराला तथा विद्यार्थियों में हिमानी, प्रज्ञा, संध्या, जिया, देहुति, सूर्या, रितेश, मधु, ललिता, संगीत, पिंकी, नीतु, कमलेश, कोशल, मुन्ना, सुधराम, सतीश, रंजीत, पुनीत एवं लक्की शामिल रहे।

कई विद्यार्थियों का राष्ट्रीय स्पर्धा के लिए चयन, विवेकानंद स्कूल में अध्ययनरत हैं चयनित विद्यार्थी

जगदलपुर। स्वामी विवेकानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय जगदलपुर में अध्ययनरत विद्यार्थियों ने वर्तमान शैक्षणिक सत्र के विभिन्न खेलों में राज्य स्तरीय स्कूल गेम्स में सफलता हासिल कर राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए चयनित होकर अपना परचम लहराया है। इनमें कक्षा पांचवीं में अध्ययनरत छात्रा कायरा ड्यूलिज थॉमस का स्कूल गेम्स के राष्ट्रीय स्तर पर स्केटिंग प्रतियोगिता में चयन हुआ है। कक्षा आठवीं की अनुती टेनेटी का राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित बैडमिंटन प्रतियोगिता में चयन हुआ है। कक्षा 11वीं वाणिज्य संकाय के रेहान शरीफ का चयन राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित बास्केट बॉल प्रतियोगिता में चयन हुआ है। कक्षा 11वीं वाणिज्य संकाय के आलोक जना राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाले क्रिकेट प्रतियोगिता में अपनी जगह बनाई है। कक्षा 9वीं के आदित्य विश्वकर्मा का चयन लॉन टेनिस प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर हुआ है संस्था के 5 विद्यार्थियों का अलग अलग खेलों में राष्ट्रीय स्तर पर चयन होना गौरव का विषय है।

चयनित विद्यार्थियों को दी गयी बधाई

सभी बच्चों का मार्गदर्शन एवं ट्रेनिंग संस्था के पीटीआई नवीन कुमार द्वारा दिया गया। संस्था की प्राचार्य मनीषा खत्री एवं समस्त स्टाफ ने विद्यार्थियों को विद्यालय, जिले एवं संपूर्ण छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करने हेतु बधाइयां प्रेषित की। संस्था की प्राचार्य एवं समस्त स्टाफ ने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में विद्यार्थियों को चयनित होने पर बधाइयां दी एवं शुभकामनाएं प्रेषित की।

नवभारत
www.navabharat.org
क्लासीफाइ

आवश्यकता

पुस्तको का प्रचार हेतु प्रतिनिधियों का आवश्यकता. योग्यता- स्नातक, स्वयं का वाहन, कम्प्यूटर ऑपरेटर- कोरल ड्रा, पेजमेकर, फोटोशॉप हिन्दी, अंग्रेजी टायपिंग का ज्ञान. सम्पर्क- प्रतीक पब्लिकेशन दुधाधारी मंदिर के पास, रायपुर. मो.- 9171548588. (257067)

हार्डवेयर नटबोल्ट दुकान में काम हेतु मेहनती लड़कों की आवश्यकता. योग्यता पांचवी,

URGENTLY REQUIRED VETERINARY DOCTOR
QUALIFICATION :
Graduate in Veterinary Science & Animal Husbandry from a Recognized College / University. Registered & Valid Practioners of Orissa Veterinary Council / Veterinary Council of India.
AGE LIMIT : 30 TO 65 YRS.
SALARY : 50,000/-
Contact : Managing Partner
ROYAL SECURITY SERVICE
Balangir (Odisha)
7735539859, 8144850586
Email : rakeshnayak3032@gmail.com

कंप्यूटर कर्मी

दुकान में कार्य करने हेतु पढ़े-लिखे लड़कों की आवश्यकता है

HIRE
CAPA
MOU
MANI
CONT
9 8 4
8109